सतगुरु अजायब संदेश

भजन माला

अपेंडिक्स 2

भजन 228-251

संत साधुराम जी के भजनों का संग्रह

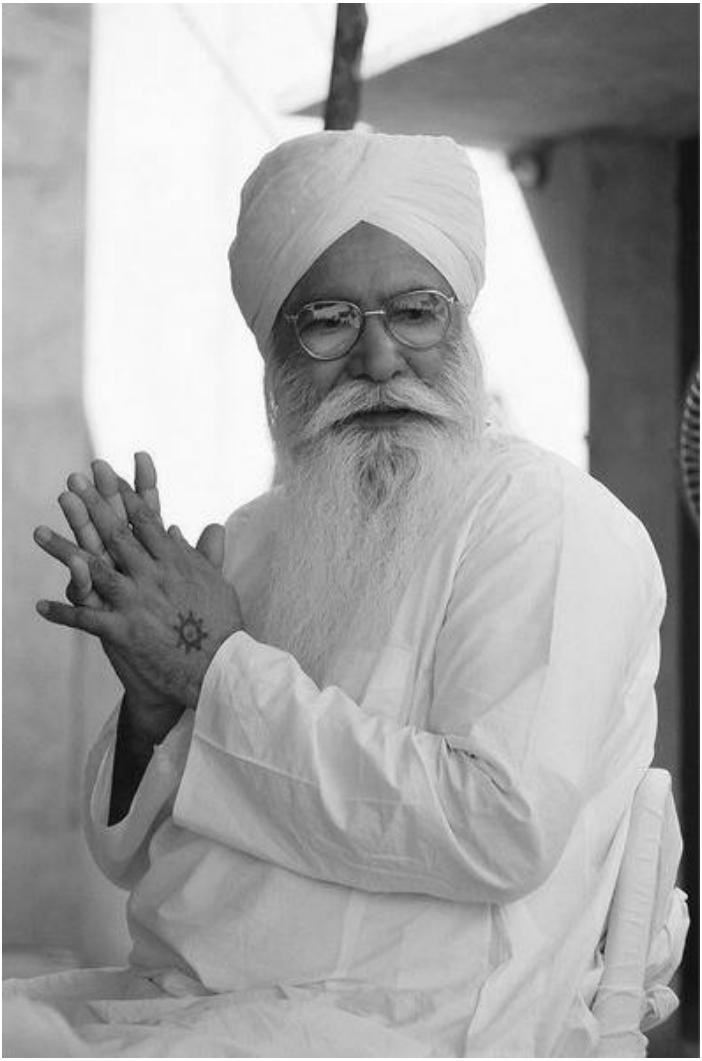

सन्त अजायब सिंह जी महाराज

भजन न०		पृष्ठ सख्या
228	चल नीवां होके चल प्यारे	1
229	दाता तेरे दर जैसा कोई भी द्वारा ना मिला	2
230	जद तक ने सावां गुण तेरे गावां	3
231	जीवें माँ बच्चयां नूं सीने दे नाल लाके रखदी ए	4
232	खोज खोज मन खोज रे प्यार	5
233	तेरे नाम सहारे दाता वे मैं उडदी वांग पतंगां	6
234	तूं ऐ मेरी डोर दातया ते मैं हाँ तेरी पतंग	7
235	**दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए**	9
236	**गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं**	11
237	**हर दम प्यारे गीत गुरु दे गाई जा**	13
238	**तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है**	14
239	**वे आजा दे दाता दीदार वे**	15
240	गुरां नाम दा बूटा लाया सिमरन दा पानी पा प्यारे	16
241	गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे	18
242	हत्थ जोड़ रहे अरजां गुजार जी	19
243	कौन है तू और कहाँ से आया	21
244	मेहराँ दियां नज़रां दे नाल तक लै	22
245	सतगुरू मेहरांवालया शुक्राना तेरा	23
246	जिना हो सकदा है कर बंदया ओह दाते दा शुक्र गुजार	24
247	नजर पई ते सोना हो गई	25
248	तन के पिंजरे में मन मन के पिंजरे में आत्मा	27
249	वतन दी करो तैयारी जी	29
250	मनां मेरया वे मनां मेरया	30
251	सेवकां ते जद दाताजी हो जाण तेरियां मेहरां	32

चल नीवां होके चल प्यारे

सन्त साधुराम

चल नीवां होके चल प्यारे, कड्ड मन विचों वल छल सारे (२)
चल नीवां होके चल प्यारे
मन दे बहकावे विच आके जेड़ा डुल गया, गुरु भुलाया जिसने, ते समझो रूल गया (२)
चल नीवां होके चल प्यारे...

गुरु बिना नहीं किते वी मिलनी ढोई ऐ, गुरु बिना नहीं जग विच तेरा कोई ऐ (२)
गुरु दया नाल, किस्मत दा, दरवाजा खुल गया (२)
गुरु भुलाया जिसने, ते समझो रूल गया
चल नीवां होके चल प्यारे ...

गुरु भुलाया बुल्ले ते बारां साल लग्गे, कंजरी बणके नचणा, पै गया गुरु अग्गे (२)
तां जा के बुल्ले भुल्ले दा मुल पया (२)
गुरु भुलाया जिसने, ते समझो रूल गया
चल नीवां होके चल प्यारे ...

तन मन जेड़ा गुरु उत्तों ऐह वार दिंदा, गुरु वी ओनूं भवसागर तों तार दिंदा (२)
पानी विच पताशा बन जो घुल गया (२)
गुरु भुलाया जिसने ते समझो रूल गया
चल नीवां होके चल प्यारे...

गाया कर गुण जिवें ऐह साधु गौंदा ऐ, (२) गुरु अजायब नूं रब्ब दे वांग धयोंदा ऐ (२)
सतगुरु किरपा कित्ती, ते ऐह राह ते चल पया (२)
गुरु भुलाया जिसने, ते समझो रूल गया
चल नीवां होके चल प्यारे...

दाता तेरे दर जैसा कोई भी द्वारा ना मिला

सन्त साधुराम

दाता तेरे दर जैसा, कोई भी द्वारा ना मिला (२)
हम बेसहारों को, कहीं भी सहारा ना मिला
दाता तेरे दर जैसा...

कोई हमदर्द नहीं, इस भरी दुनियां में (२)
सब के सब गैर हैं (२) कोई भी हमारा ना मिला
हम बेसहारों को, कहीं भी सहारा ना मिला
दाता तेरे दर जैसा...

रात दिन याद तेरी, तड़फाये मुझे
हाले दिल का क्या है, मैं सुनाऊँ तुझे (२)
तेरी चौखट के सिवा (२) कहीं भी गुज़ारा ना मिला
हम बेसहारों को, कहीं भी सहारा ना मिला
दाता तेरे दर जैसा...

प्यार इतना जो मिला, तुझसे दाता (२)
अजायब जी तुझसा कोई (२) साधु को प्यारा ना मिला
दाता तेरे दर जैसा...

जद तक ने सावां गुण तेरे गावां

सन्त साधुराम

जद तक ने सावां, गुण तेरे गावां
ऐहो ही फरयाद, गुरूजी, ऐहो ही फरयाद
जद तक ने सावां...

तेरी अमानत, है ऐह ए जिंदगाणी, मैं ते हाँ दाता, बुलबुला जयों पानी (२)
की इसदी मुनियाद गुरुजी, की इसदी मुनियाद
जद तक ने सावां...

तेरी दया नाल हुंदा गुज़ारा, होर ना कोई, ईक तेरा सहारा
दिल विच वसे तेरी याद, गुरुजी दिल विच वसे तेरी याद
जद तक ने सावां...

तूंही ते बंजर धरती नूं, खेती जोग बनाया
नामदान दा, बीज बीजके, हरा भरा महकाया
रखीं सदा आबाद गुरुजी, रखयो सदा आबाद
जद तक ने सावां...

दर तेरे ते आके मिलदे, सुख दोवें जहाँ दे सारे
ऐसे लई गुरु अजायब जी, साधु हत्थ जोड़ के अरज गुज़ारे
तूं सच्चा, तेरा नाम सच्चा, तूंही ऐं आद जुगाद
गुरु जी तूंही ऐं आद जुगाद
जद तक ने सावां...

जीवें माँ बच्चयां नूं सीने दे नाल लाके रखदी ऐ

सन्त साधुराम

जीवें माँ बच्चयां नूं, सीने दे नाल लाके रखदी ऐ
गुरु सेवक नूं रखदा ऐ, ऐह गुरबाणी दसदी ऐ
मैं अपने मुहों कह देयां, मेरे गल्ल ना वसदी ऐ (२)
गुरु सेवक नूं रखदा ऐ, ऐह गुरबाणी दसदी ऐ
जीवें माँ बच्चयां...

लख करोड़ां मावां जिन्ना, प्यार गुरु कोल होवे (२)
मावां वांगु ही गल लोंदा, जद कोई सेवक रोवे (२)
नहीं गुरु बिना कोई भावें, दुनिया लख वसदी ऐ(२)
गुरु सेवक नूं रखदा ऐ, ऐह गुरबाणी दसदी ऐ
जीवें माँ बच्चयां...

गुरु कदे वी, अपने सेवक नूं, नजरों दूर नहीं करदा (२)
परदे दे नाल हर थां आपे, रखदा आप ही परदा (२)
पर मनमुखाँ नूं कदों भला (२) ऐह गल्ल भोंदी ऐ
गुरु सेवक नूं रखदा ऐ, ऐह गुरबाणी दसदी ऐ
जीवें माँ बच्चयां (3)

सिफत गुरु दी, इस मुहों, मैं की आख सुणावां (२)
जो कुछ आप बुलौन्दा ऐ, मैं ओही बोली जावां (२)
सच्ची गल्ल हमेशा सबनूं (२) कोड़ी लगदी ऐ
गुरु सेवक नूं रखदा ऐ, ऐह गुरबाणी दसदी ऐ
जीवें माँ बच्चयां...

मेरी की औकात सी, गुरु अजायब जी रखियां लाजां (२)
ऐस गरीब दियां सुन लईआं, सतगुरु ने आवाजां (२)
हर पल साधु दी रसना (२) गुरु गुरु ही रटदी ऐ
गुरु सेवक नूं रखदा ऐ, ऐह गुरबाणी दसदी ऐ
जीवें माँ बच्चयां...

खोज खोज मन खोज रे प्यारे

सन्त साधुराम

खोज खोज मन खोज रे प्यारे, कुछ ना कुछ तो पाऐगा (२)
करत करत, अभ्यास तूं इक दी, मंजिल को पा जाऐगा (२)

कभी किसी को बुरा ना कहना, अपने अंदर झाँक जरा (२)
जब खोजेगा मन अपना तूं, होगा ना कोई तुझ से बुरा (२)
जिस मन ने उलझन में डाला (२) यही फिर सुलझाऐगा
खोज खोज मन खोज रे प्यारे...

बिना लगाम का, घोड़ा है ये, हर पल दौड़ा फिरता है (२)
ना सोऐ ना आराम करे ये, कभी ना यह टिक कर रहता है (२)
मन घोड़े पर कर सवारी, नहीं तो तुझे गिराऐगा
खोज खोज मन खोज रे प्यारे...

यह मन तो है जिद्दी बालक, हठ करता है डांट इसे (२)
सिमरन भजन का शाम सवेरे, रोज पढ़ा तूं पाठ इसे (२)
जब अमृत रस पी लेगा ये, फिर ये होश में आऐगा
खोज खोज मन खोज रे प्यारे...

ये मन है इक उड़नखटोला, नींदों में उड़ जाता है, (२)
दूर दूर की सैर कराए, सुबह उसी खाट पे पाता है (२)
पा लेगा जो इस पर काबू (२) सूरमा वही कहलाऐगा
खोज खोज मन खोज रे प्यारे...

जैसे कहा अजायब गुरु ने, वैसा ही तूं कर प्यारे (२)
इक आसन पर रोज बैठकर, ध्यान गुरु का धर प्यारे (२)
तन मन को जो साध लिया तो, (२) फिर साधु बन जाऐगा
खोज खोज मन खोज रे प्यारे...

तेरे नाम सहारे दाता वे मैं उडदी वांग पतंगां

सन्त साधुराम

तेरे हत्थ विच डोर दातया, मेरा ना कोई होर दातया
चरणा विच अरदास ऐ मेरी, मेरा ना कोई जोर दातया

तेरे नाम सहारे दाता, वे मैं उडदी वांग पतंगां (२)
हुण होर कोई रंग चड़दा ही नहीं, (२) वे मैं रंग गई तेरयां रंगां
तेरे नाम सहारे दाता...

किते ढकदा ऐं तन नंगया दा, किते कजदा ऐं पर्दा मंदया दा (२)
कोजी कमली नूं लड़ लाया ऐ (२) वे मैं होर की तैथों मंगा
तेरे नाम सहारे दाता...

तेरा दर्शन मैनूं रब्ब वरगा, जी करदा वेखी जावां मैं (२)
तेरे नूरी मुखड़े तों साईयां, इक पल ना नजर हटावां मैं (२)
जो दुनिया केहंदी कहंदी रहे, वे मैं लाके सुट्टीयां संगां (२)
तेरे नाम सहारे दाता...

हत्थ जोड़ के अरजां लावां मैं, किते धरती ते ना डिग जावां मैं (२)
हर पल उठ दियां रैहन्दीयां ने, ज्यों सागर विच तरंगां (२)
तेरे नाम सहारे दाता...

तूं ऐं अर्श फर्श दा वाली, गुरु अजायब जी, तेरी शान निराली (२)
ऐ साधु ते बस तेरा ऐ (२) भावें चंगा ऐं या मंदा
तेरे नाम सहारे दाता...

तूं ऐ मेरी डोर दातया ते मैं हाँ तेरी पतंग

सन्त साधुराम

तूं ऐ मेरी डोर दातया, ते मैं हाँ तेरी पतंग
तेरे तों कुर्बान सोणयां, जो मिलया तेरा संग (२)

अम्बरां च उड दियां मैं दाता तेरे कर के, (२) डरदी रहां मैं साईयाँ ऐणी ऊँची चढ़के
मेहराँ करीं मेहराँ वालया, (२) मेरा तेरे तों सिवा ना कोई होर वे (२)
रख लयीं तूं सदा हत्थ रखीं दातया, टूट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे
हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

लैके तेरा आसरा मैं लोणी हाँ उडारियाँ, तेरी दया नाल दाता रहण चड़ियाँ खुमारियाँ (२)
हर साह दे नाल दातया करां बंदगी, उड़ जावे ना वजूद चों ऐह भोर वे (२)
हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

झुल जाण भावें लख झखड़ हनेरियाँ, (२) मैं ते सुट रखियाँ ने तेरे उत्ते डोरियां (२)
रख लयीं बचा के मालका, लुट लैण ना ऐ मैनूं पंज चोर वे (२)
हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

अम्बरां च उड दियां मैं दाता तेरे करके, डरदी रहां मैं साईयाँ ऐणी ऊँची चढ़ के
मेहराँ रखीं मेहराँ वालया, (२) मेरा तेरे तों सिवा ना कोई होर वे (२)
हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

चन्न ते चकोर वाली तेरी मेरी प्रीत वे, (२) सदा ही रहीं तूं साईयाँ बण मेरा मीत वे (२)
बेनती करां ऐ दातया, तेरे अग्गे ना कोई ततड़ी दा जोर वे

हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

जदों वी तूं सोणया ऐ डोर नूं हिलोणा ऐ, (२) साधु नूं अजायब जी
तूं लोरी जही चढ़ौणा ऐ (२)
मैं हत्थ जोड़ पावां वास्ते (२) सदा रखीं तूं चढ़ा के ऐहे लोर वे
हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

अम्बरां च उड दियां, मैं दाता तेरे करके (२), डर दी रहां मैं साईयाँ,
ऐणी ऊँची चढ़के
मेहराँ रखीं मेहराँ वालया, (२) मेरा तेरे तों सिवा ना कोई होर वे (२)
हत्थ विच रखीं मालका, टुट जावे ना पतंग दी ऐ डोर वे (२)

दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए

सन्त साधुराम

दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए (२)
जिस चीज़ से मोहताज़ हूँ वोह प्यार चाहिए
दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए

मिट जाऐं सारे फासले ना हों ये दूरियां (२),
आऐं बेशक जिंदगी में लाखों मजबूरियाँ (२)
इस बेताब दिल को करार चाहिए (२)
जिस चीज़ से मोहताज़ हूँ वोह प्यार चाहिए
बाबाजी मुझको आपका दीदार चाहिए,
दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए

है लाज मेरी मेहरबां तेरे ही हाथ में (२),
शिकवा नहीं नहीं कोई गिला जब तूँ है साथ में (२)
जीवन में तेरे नाम की (२) बहार चाहिए
बाबाजी मुझको आपका दीदार चाहिए,
दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए

बनके मुरीद आपका रहूँ चरणों में आपके (२)
हर पल हर दम हर घड़ी गुण गाऊं आपके (२)
तुझको ही मांगता हूं ना कुछ और चाहिए,
जिस चीज़ का मोहताज़ हूँ सिर्फ प्यार चाहिए
बाबाजी मुझको आपका दीदार चाहिए,
दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए

मांगूं ना धन और दौलत रहमत की भीख दो (२)
साधु को गुरु अजायब जी कोई ऐसी सीख दो
दुनिया से क्या लेना मुझे (२) दातार चाहिए

बाबाजी मुझको आपका दीदार चाहिए,
दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए
जिस चीज़ का मोहताज़ हूँ वोह प्यार चाहिए
दाताजी मुझको आपका दीदार चाहिए

गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं

सन्त साधुराम

गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं, नाल तेरे गुरुजी, (२)
अजायब क्यों नहीं आऐ नीं
अजायब आश्रम वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं , गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं

वगनीं ऐ जदों मेरा सीनां जावें चीर नीं,
सतगुरु अजायब बिना बंधावे केहड़ा धीर नीं
हर वेले याद ओहदी वड वड खाऐ नीं, (२) नाल तेरे गुरुजी, (२)
अजायब क्यों नहीं आऐ नीं
गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं ३

आवेगा जरूर मेरी आत्मा ऐ केहन्दी ऐ,
हर वेले नाम ओह अजायब जी दा लैंदी ऐ (२)
ऐसे लई नैन असां राहां च विछाए नीं, (२) नाल तेरे गुरुजी, (२)
अजायब क्यों नहीं आऐ नीं
गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं ३

ओहदे बिना रातां मैनूं कालियाँ ने डंगणा,
गुरु तों बगैर ओखा पल वी ऐ लंघणा (२)
गुरु बिना दिल मेरा डुब डुब जाऐ नीं, (२) नाल तेरे गुरुजी, (२)
अजायब क्यों नहीं आऐ नीं
गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं ३

लगदा ऐ होई कोई गलती जरूर नीं,
ऐसे लई होया मेरा सोहणा मैथों दूर नीं (२)
ओहदे बिना कौण मैनूं गल नाल लाए नीं, (२) नाल तेरे गुरु जी, (२)
अजायब क्यों नहीं आऐ नीं

गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं ...

ऐहो ही दुआवां साडी होवे मुलाकात नीं,
उसनूं उडीकां बैहके सारी सारी रात नीं (२)
दिल वाले दुःख साधु राम ने सुनाये नीं, (२) नाल तेरे गुरु जी, (२)
अजायब क्यों नहीं आऐ नीं
गुरु दरबार वलों औंदी ऐ हवाऐ नीं ...

हर दम प्यारे गीत गुरु दे गाई जा

सन्त साधुराम

मानस जन्म अनमोल है, मिले ना बारंबार
लड़ लग पूरे सतगुरु दे जे होना भवसागर तों पार

हर दम प्यारे गीत गुरु दे गाई जा (२) बड़े कीमती साह ने नाम ध्याई जा (२)

तूं सोचां क्यों करदां सोचां ओह आप करे, (२)
सबना जियां का दाता दुखड़े आप हरे (२)
पल पल उस दाते दा शुक्र मनाई जा, बड़े कीमती साह ने नाम ध्याई जा
हर दम प्यारे.....3

फेर दोबारा मानस जामा मिलना नहीं, (२)
ऐह मुरझाया फूल दोबारा खिलना नहीं (२)
नाम दा पानी पाके इसनूं महकाई जा, (२) बड़े कीमती साह ने नाम ध्याई जा
हर दम प्यारे.....3

मनया के पढ़ पढ़ के आलम फाज़ल होया ऐं, (२)
पर गुरु बिना तूँ बंदया कागज कोरा ऐं (२)
जद तक मैं नहीं दिल विचों गवाँई दा, (२) बड़े कीमती साह ने नाम ध्याई जा
हर दम प्यारे

नाम दा साबुन ऐसा मैल उतारे जी, (२) सत्संग विच समझाया गुरु अजायब प्यारे जी (२)
साधु वांगुं निंव निंव शीश झुकाई जा, (२) बड़े कीमती साह ने नाम ध्याई जा
हर दम प्यारे.....3

तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है

सन्त साधुराम

तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है (२),
जिधर भी मैं देखूं तूं आता नज़र है (२)
तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है

ना अब तक था जिसका कोई सहारा (२),
यह जीवन गुरुजी तुम्हीं ने संवारा (२)
जो मुझ पर पड़ी तेरी दया की नज़र है (२)
तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है...

रब्ब से भी ज्यादा भरोसा है तुझ पे (२)
मैं कुछ भी नहीं हूँ दया तेरी मुझ पे (२)
तुझे मेरे दाता पल पल की खबर है (२)
तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है...

तेरा नाम लेकर चला जा रहा हूँ (२) मैं दिन रात तेरे ही गुण गा रहा हूँ (२)
सदा इस जुबां पर तेरा ही ज़िक्र है (२)
तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है...

तेरी इक नज़र ने किया ऐसा जादू (२)
गुरु अजायब जी तेरा शुक्र करे साधु (२)
जो संग है तूं मेरे तो काहे का डर है (२)
तेरी रहमतों का दाता हुआ ये असर है...

वे आजा दे दाता दीदार वे

सन्त साधुराम

मुददतां होईयाँ दीद ना होई तेरी दीद दे नैन प्यासे
तेरे वाजों कौण वे साईयाँ सानूं देवे आन दिलासे

वे आजा दे दाता दीदार वे (२), रूहां अजायब जी करण पुकार वे (२)
वे आजा दे दाता दीदार वे, वे आजा दे साईयाँ दीदार वे

सब राहां तकदियां तेरियां, (२) वे तूँ काहतों नजराँ फेरियां (२)
रूहां तपदियाँ आके ठार वे (२)
वे आजा दे दाता दीदार वे, वे आजा दे साईयाँ दीदार वे...

तेरा दर्द विछोड़ा खा गया, (२) वे तूं रोग इश्क दा ला गया (२)
हुण होवे नां इन्तजार वे (२)
वे आजा दे दाता दीदार वे, वे आजा दे साईयाँ दीदार वे...

इक तेरी ही बस लोड़ वे, (२) सानूं ना कोई होर ऐ थोड़ वे (२)
वे माही आ मुड़ मोड़ मुहार वे (२)
वे आजा दे दाता दीदार वे, वे आजा दे दाता दीदार वे...

नित आवे तेरी याद वे, (२) वे तूं सुन साडी फरयाद वे (२)
इक नजर मेहर दी मार वे (२)
वे आजा दे दाता दीदार वे, वे आजा दे साईयाँ दीदार वे...

साधु रो रो तरले पावंदा, (२) वे तूं झलक विखावंदा (२)
वे आजा गल ला देजा प्यार वे (२)
वे आजा दे दाता दीदार वे.

गुरां नाम दा बूटा लाया सिमरन दा पानी पा प्य

सन्त साधुराम

उच्चे भाग निशानी सी जो, तूं गुरु शरण विच आया
नामदान दा बीज बीज के, ऐ मुरशद बूटा लाया

गुरां नाम दा बूटा लाया, सिमरन दा पानी पा प्यारे (२)
दूर दूर तक जावण मैहकां, ऐनां इसनूं मैहका प्यारे (२)
गुरां नाम दा बूटा लाया...

जे ना कित्ती राखी इसदी, ऐह मुरझा जाना ऐ (२)
पंज तरां दी दीमक ने ऐनुं, अंदरो अंदरी खा जाना ऐ
देख रेख कर अमृत वेले (२) ऐसनूं लै बचा प्यारे
गुरां नाम दा बूटा लाया...

पैहलां फुल कलियाँ इसनूं, फेर फल इसनूं लग्गे (२)
दिन दूनी रात चोगणा, ऐह बूटा प्यारे वद्धे
इस बुट्टे दे अमृत फल नूं (२) खाके सचखंड जा प्यारे
गुरां नाम दा बूटा लाया...

इस बुट्टे दा फल ही तेरे, दूर करू दुःख सारे (२)
जिसने इस बुट्टे नूं लाया, उस्तों जाईए बलिहारे
गुरु दयालु रेहमत कित्ती (२) रहमतां दा मूल पा प्यारे
गुरां नाम दा बूटा लाया...

गुरु अजायब जी माली दा तूं, हरदम शुक्र मनाई जा (२)
साधुराम दे वांगु तूं वी, मुरशद दे गुण गायी जा
उसे दित्ती ऐ जिंदगानी (२) उसे ही दित्ते साह प्यारे
गुरां नाम दा बूटा लाया...

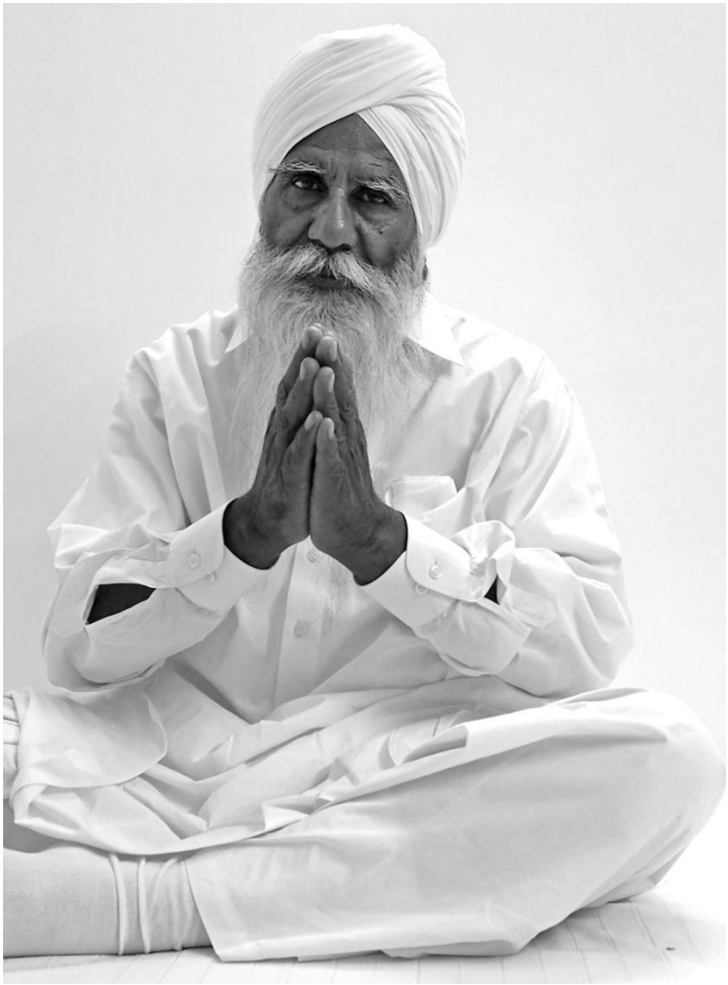

सन्त साधुराम जी

गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे

सन्त साधुराम

गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे,
तेरी दया नाल ही ऐ सानूं साह औंण जी (२)
दाता तेरे तों बगैर साडा होर कौण जी (२)
गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे...

बड़ा साडे उत्ते करम कमाया जी,
गुणेहगारां नूं वि चरणा नाल लाया जी (२)
हत्थ जोड़ तेरा सारे शुक्र मनोण जी (२)
दाता तेरे तों बगैर साडा होर कौण जी (२)
गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे...

साडे कारज ते तूंहीयों ही संवार दा,
दाता वखरा नजारा तेरे प्यार दा (२)
हर रोज नित नवियाँ बहारां औंण जी (२)
दाता तेरे तों बगैर साडा होर कौण जी (२)
गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे...

तेरे करके ही जिंदगी आबाद ऐ, असां दिल च वसाई तेरी याद ऐ (२)
हंस हंस सह लैणे जिन्ने दुःख औंण जी (२)
दाता तेरे तों बगैर, साडा होर कौण जी (२)
गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे...

असाँ तैनूं ही ऐ रब्ब दाता मनया (२)
दुखां रोगां दा तूं बेड़ा दाता भनया (२)
सदा चौह्दे ने दीदार, साडे ऐ दो नैन जी (२)
दाता तेरे तों बगैर साडा होर कौण जी (२)
गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे...

अखां खुलियां च तक्कां मुख तेरा जी,
बंद अखियां च वी तूंहीयों दिखदा (२)
साधु वरगे मुरीद, तेरे गुण गौण जी (२)
दाता तेरे तों बगैर साडा होर कौण जी (२)
गुरु अजायब जी प्यारे तैथों जाइये बलिहारे...

हत्थ जोड़ रहे अरजां गुजार जी

सन्त साधुराम

हत्थ जोड़ रहे अरजां गुजार जी, साडी दुखियाँ दी सुनयो पुकार जी
लाज रख लईं अजायब जी प्यारया, भरे ऐबां दे असी हाँ गुनहगार जी

तेरियां झिड़कां मिठियाँ दाता, बेशक सानूं दबक दयो (२)
भुलड़हारे जीव गुरूजी, पर तुसीं सानूं बक्श दयो (२)
तूं पिता असीं तेरा परिवार जी, सानूं पुत्रां वांगु करयो प्यार जी
लाज रख लईं अजायब जी प्यारया, भरे ऐबां दे असी हाँ गुनहगार जी

बदियां दे वल जांदा ऐ मन, सतगुरु साडा मोड़ दयो (२)
करके दया मेहर दाता जी, सूरत शब्द नाल जोड़ दयो (२)
झूठी दुनिया ऐ झूठा संसार जी, असीं औणा नहियों ऐत्थे बार बार जी
लाज रख लईं अजायब जी प्यारया, भरे ऐबां दे असी हाँ गुनहगार जी

मुक जावे ऐह औणा जाना, अपने घर नूं मुड़ जाइये (२)
जित्थों विछड़ के आइयां रूहां ओथे जाके जुड़ जाइये (२)
तूं ही दाता साडा परवरदिगार, कुल मालक तूं ही ऐ निरंकार जी
लाज रख लईं अजायब जी प्यारया, भरे ऐबां दे असी हाँ गुनहगार जी

काल देश विच सतगुरु वाजों, केड्डा औण बचावे जी (२)
अपनीयां विछड़ियां रूहां नूं , गुरु आपे पार लंघावे जी (२)
करे बेनती ऐ साधु सेवादार जी, कर दयो तुसीं ऐनां उपकार जी
लाज रख लईं अजायब जी प्यारया, भरे ऐबां दे असी हाँ गुनहगार जी

सन्त किरपाल सिंह जी महाराज

कौन है तू और कहाँ से आया

सन्त साधुराम

कौन है तू और कहाँ से आया, कहाँ मुसाफिर जाएगा (२)
गुरु बिना तुझ को ऐ बन्दे कौन राह दिखायेगा (२)
कौन है तू और कहाँ से आया...

मंजिल का कोई पता नहीं है, पथ से भी अनजान है तू (२)
जगत सराय में कुछ दिन का ऐ बन्दे मेहमान है तू (२)
बिना सतगुरु के ना राह मिलेगा (२) भटक भटक थक जाएगा (२)
कौन है तू और कहाँ से आया...

गुरु बिना तेरा ऐ बन्दे, है ये सफर अधुरा (२)
आया है जिस मकसद से तू, वोह मकसद करले पूरा (२)
कोई पूरा सतगुरु ही तुझे (२) मंजिल तक पहुंचाएगा (२)
कौन है तू और कहाँ से आया...

खत्म ना होगा आना जाना, मोह माया को छोड़ ज़रा (२)
उलझा है जिन रिश्ते नातों में, इन रिश्तों को तोड़ ज़रा (२)
आसां होगा सफर तेरा, (२) जब गुरु साथी मिल जाएगा (२)
कौन है तू और कहाँ से आया...

साध संगत में जाकर प्यारे, साधु का संग कर ले (२)
सब पापों को माफ़ करेगा, चरणों में सीस धर ले (२)
गुरु दयालु दया करेगा, भवसागर तर जाएगा
कौन है तू और कहाँ से आया...

मेहराँ दियां नज़रां दे नाल तक लै

सन्त साधुराम

दाता तेरी नज़र सवल्ली ने, पापी जन्म जन्म दे तारे
कर देवें जे करम दाता, तैथों मैं जावां बलिहारे

मेहराँ दियां नज़रां दे नाल तक लै (२)
चरणां दे विच मेहरबाना रख लै (२)
मेहराँ दियां नज़रां...

मनया के साइयाँ वे मैं, बड़ा ही गुस्ताख़ जी (२)
माफ़ी दा खजाना ऐ तूं, कर देवीं माफ़ जी (२)
ऐब ते गुनाहां नूं छुपाके रख लै (२)
चरणां दे विच मेहरबाना रख लै (२)
मेहराँ दियां नज़रां...

थां थां तों ठोकरां वजियां ने गरीब नूं (२)
तूं ही दे बदल दाता बिगड़े नसीब नूं (२)
ताने मैहणे मार दा जमाना डक लै (२)
चरणां दे विच मेहरबाना रख लै (२)
मेहराँ दियां नज़रां...

तैनूं ही सुणावां दाता अपने ऐ दुःख जी (२)
तेरे तों बगैर भला की ऐ मेरी पुछ जी (२)
तन मन जान के बयाना रख लै (२)
चरणां दे विच मेहरबाना रख लै (२)
मेहराँ दियां नज़रां...

तेरे बिना नहियों होना साधु दा गुजारा जी (२)
मैनूं ते अजायब जी बस तूंहीयों है प्यारा जी (२)
हंजुआं दे हार नज़राना रख लै (२)
चरणां दे विच मेहरबाना रख लै (२)
मेहराँ दियां नज़रां...

सतगुरू मेहरांवालया शुक्राना तेरा

सन्त साधुराम

सतगुरू मेहरांवालया शुक्राना तेरा (२)
तेरा ही इक आसरा, होर कोई नहीं मेरा (२)
सतगुरू मेहरांवालया ...

झूठे ऐ सब रिश्ते नाते, कोई ना साथ निभावे (२)
वक्त पैण ते सब मुँह फेरण, तूं ही साथ निभावें (२)
वेख लया जग सारा, यह सब कूड़ पसारा (२)
तेरा ही इक आसरा, होर कोई नहीं मेरा (२)
सतगुरू मेहरांवालया ...

सुख वेले सब संगी साथी, नेड़े आ आ बैहंदे (२)
मतलब खोर ऐ मतलबी सब मतलब तक ही रैहंदे (२)
दुःख दियां घड़ियाँ आन जदों (२) कर लैण किनारा (२)
तेरा ही इक आसरा, होर कोई नहीं मेरा (२)
सतगुरू मेहरांवालया ...

लैके तेरा नाम गुरु जी, जद कोई कम्म करदा (२)
हर कम्म दे विच बरकत पावें, आपे झोली भरदा (२)
तेरी दया नाल दातया हो रेहा गुजारा (२)
तेरा ही इक आसरा होर कोई नहीं मेरा (२)
सतगुरू मेहरांवालया ...

तूं ही गुरु अजायब जी, रखदा सब दियां लाजां (२)
नेड़े होके सुन लईयाँ साधु राम दियां आवाजां (२)
आसां छड्के सारीयां लड़ फड़या तेरा (२)
तेरा ही इक आसरा, होर कोई नहीं मेरा (२)
सतगुरू मेहरांवालया ...

जिना हो सकदा है कर बंदया ओह दाते दा शुः गुजार

सन्त साधुराम

शुक्र गुजार, शुक्र गुजार, शुक्र गुजार (२)
जिना हो सकदा है कर बंदया ओह, दाते दा शुक्र गुजार (२)
जिसने तैनूं देके जिंदगी (२) भेजया विच संसार (२)
शुक्र गुजार, शुक्र गुजार, शुक्र गुजार
जिना हो सकदा है.....

लटक रेहया सी पुठा जद तूं, रो रो वास्ते पौंदा सी (२)
अरजां करदा सी दाते नूं, दम दम नाम धयोंदा सी (२)
ऐसी हवा लगी फिर तैनूं (२) भुल गया दाते नूं आया जद तूं बाहर
शुक्र गुजार, शुक्र गुजार, शुक्र गुजार
जिना हो सकदा है.....

तैनूं तेरे मन ने ही है, विच उलझणा पाया (२)
करदा फिरदा मेरी मेरी (२), सत्संग विच ना आया (२)
दो घड़ियाँ दी सत्संग देना (२) जीवन तेरा संवार
शुक्र गुजार, शुक्र गुजार, शुक्र गुजार
जिना हो सकदा है.....

जिस कम्म दे लई भेजया तैनूं ओह कम्म ते तूं करदा ही नहीं (२)
बदियां ते लक बनया ऐ तूं, मालक कोलों डरदा ही नहीं (२)
अंत वेले पछतावेंगा जद (२) पैणी जमां दी मार
शुक्र गुजार, शुक्र गुजार, शुक्र गुजार
जिना हो सकदा है.....

ऐह साधु वी अपने सतगुरू अजायब दा शुक्र मनावे (२)
गुरु बिना ना कोई वी इस भवसागर तों पार लंघावे (२)
सतगुरू अपनी दया मेहर नाल (२) डुबयां नूं देवे तार
शुक्र गुजार, शुक्र गुजार, शुक्र गुजार
जिना हो सकदा है.....

नजर पई ते सोना हो गई

सन्त साधुराम

नजरी नजर निहाल करें, जद मौज च दाता आवे
विच समुंद्रां डुबदे होए पत्थर दाता तारे
नजर पई ते सोना हो गई (२) इक मिट्टी दी ढेरी
वे हो गई मौज दातया तेरी, हो गई मौज गुरु जी तेरी, हो गई मौज दातया तेरी
मुद्दत्तां तों सी सुत्ती किस्मत (२) आन जगाई मेरी
हो गई मौज दातया तेरी, हो गई मौज गुरु जी तेरी, हो गई मौज दातया तेरी
नजर पई ते...

लख लख ऐ शुक्राना तेरा, तेरे ही गुण गावां (२)
कित्ता जो उपकार दातया, कदे नां दिलों भुलावां (२)
सब तेरी रहमत दा सदका (२) की सी हस्ती मेरी
हो गई मौज दातया तेरी, हो गई मौज गुरु जी तेरी, हो गई मौज दातया तेरी
नजर पई ते...

कखां वांगूं रुलदी सी मैं, लखां कीमत पा दित्ती (२)
नामदान दी देके दौलत, जिंदगी सफल बना दित्ती (२)
चरणी लग हुण मौजां मारां, (२) पहलां रुली बथेरी
हो गई मौज दातया तेरी, हो गई मौज गुरु जी तेरी, हो गई मौज दातया तेरी
नजर पई तेकृ

.

सी गलियां दा रुड़ा कुड़ा, आपे लेखे लाया (२)
कोजी नीच निमाणी ते तूं, दाता कर्म कमाया (२)
शुक्र गुजारां तेरा साईयाँ (२) छड्ड के मेरी मेरी
हो गई मौज दातया तेरी, हो गई मौज गुरु जी तेरी, हो गई मौज दातया तेरी
नजर पई ते...

गुरु अजायब जी हर थां तेरी, मैं बड़याई गावां (२)
हथ जोड़ के मैं साधु वी चरणी शीश झुकावां (२)
मेहरावालयां इस कमली ते (२) मेहर हो गई तेरी
हो गई मौज दातया तेरी, हो गई मौज गुरु जी तेरी, हो गई मौज दातया तेरी
नजर पई ते...

तन के पिंजरे में मन मन के पिंजरे में आत्मा

सन्त साधुराम

तन के पिंजरे में मन, मन के पिंजरे में आत्मा
इस बंधन से मुक्त करा दो (२) गुरूजी तुम तो हो परमात्मा (२)
तन के पिंजरे में मन...

हर पल हर दम यह मन मुझसे करता है मनमानी (२)
लाख बार समझाया इसको एक ना इसने मानी (२)
भूल भुलईआं में भूला है (२) कुछ भी इसको याद ना
गुरूजी तुम तो हो परमात्मा (२)
तन के पिंजरे में मन...

काल देश में आकर ऐसी मन से प्रीत लगाई (२)
मन भी इसकी करे गुलामी हर पल है दुखदाई (२)
इसके आगे ज़ोर चले ना (२) हर पल झेलूं यातना
गुरूजी तुम तो हो परमात्मा (२)
तन के पिंजरे में मन...

जानें अनजानें में भूल हुई जो, दे दो मुझको माफ़ी (२)
सब पापों का नाश करे तेरी एक झलक ही काफी (२)
तुम बिन किसे सुनाऊँ दाता (२) सुने कोई फ़रियाद ना
गुरूजी तुम तो हो परमात्मा (२)
तन के पिंजरे में मन...

तेरी एक नज़र ने दाता लाखों को है तारा (२)
मुझ अपराधन को मिल जाए सतगुरू तेरा सहारा (२)
तेरी दया से हो जाए दाता (२) सब दुखों का खात्मा
गुरूजी तुम तो हो परमात्मा (२)
तन के पिंजरे में मन...

हाथ जोड़ कर बिनती सतगुरू, अब ना देर लगाओ (२)
बीच भंवर में डूब रही हूँ आकर पार लगाओ (२)
गुरु अजायब जी इस साधु की (२) और किसी पर आस नां
गुरूजी तुम तो हो परमात्मा (२)
तन के पिंजरे में मन...

वतन दी करो तैयारी जी

सन्त साधुराम

वतन दी करो तैयारी जी, प्यारयो छड के देश बैगाणा (२)
ऐत्थे बैठ किसे नहीं रहणा, (२) यह नहीं असल ठिकाणा
वतन दी करो तैयारी जी.....

ऐह जग चार दिनां दा मेला, मेला विछड़ जाणा ऐ (२)
ना रहया न रैहणा कोई, की राजा ते की राणा ऐ (२)
कल्ले आए कल्लयां जाणा, (२) किसे नहीं साथ निभाणा
वतन दी करो तैयारी जी...

ऐत्थे ने सब यार विदेशी, नहीं किसे दा कोई हितेशी (२)
उस मालक दा बुनया होया, (२) सारा ताना बाना
वतन दी करो तैयारी जी...

सतगुरू ही है सच्चा साथी, जो धुर तक साथ निभाएगा (२)
उसने ही है भेजियां रूहां, आप ही लैवण आएगा (२)
सेवा सिमरन गुरु दी पूजा, (२) ऐहो सच्चा शुक्राणा
वतन दी करो तैयारी जी...

नाम शब्द दी करो कमाई कह गए गुरु अजायब जी भाई
ऐसे लई सतगुरू दी महिमा, साधुराम वी जाये गाई (२)
पता नहीं ऐ कद आ जाणा, (२) उस मालक दा फरमाणा
वतन दी करो तैयारी जी...

मनां मेरया वे मनां मेरया

सन्त साधुराम

मनां मेरया, वे मनां मेरया, (२) मनां मेरया
नीवां होके चल मन वे, नां मार ऐवें उच्चियाँ उडारियाँ (२)
तूं नित नवियाँ जो, घड़दा गुरुजी गल्लां जान दे ने सारियां (२)
मनां मेरया, वे मनां मेरया (२) मनां मेरया

जद तक छडदा नहीं तूं ऐ वल छल्ल वे,
होणा नइयों तेरे किसे मसले दा हल वे (२)
जो इक दिन मिट जाणीयां, ओह चीजां तैनूं लगण प्यारियाँ (२)
नीवां होके चल मन वे, नां मार ऐवें उच्चियाँ उडारियाँ
तूं नित नवियाँ जो, घड़दा गुरुजी गल्लां जान दे ने सारियां
मनां मेरया, वे मनां मेरया (३)

धन अते दोलतां दी लग्गी तैनूं भूख वे,
क्यों तूं सहेड़ें मनां मुल दे ऐ दुःख वे (२)
पैणी नइयों पार मुर्खा, ना कर हुण छड्ड होशियारियां (२)
नीवां होके चल मन वे, नां मार ऐवें उच्चियाँ उडारियाँ
तूं नित नवियाँ जो, घड़दा गुरुजी गल्लां जान दे ने सारियां
मनां मेरया, वे मनां मेरया.....

बड़े तैनूं भोंदे दुनिया दे राग रंग वे,
सुण्या नहीं तूं कदे जाके सत्संग वे (२)
सुण सब्ब छुट्ट जाणीयां (२) मनां जो तैनूं लग्गियाँ बिमारियां (२)
नीवां होके चल मन वे, नां मार ऐवें उच्चियाँ उडारियाँ
तूं नित नवियाँ जो, घड़दा गुरुजी गल्लां जान दे ने सारियां
मनां मेरया, वे मनां मेरया.....

आखदे अजायब गुरु नाम जप प्यारया
नाम नें ही पार साधु राम नूं तारया (२)
भुलया तूं घर अपना, तूं जान दियां कर लै तैयारियां (२
नीवां होके चल मन वे, नां मार ऐवें उच्चियाँ उडारियाँ
तूं नित नवियाँ जो, घड़दा गुरुजी गल्लां जान दे ने सारियां
मनां मेरया, वे मनां मेरया

सेवकां ते जद दाताजी हो जाण तेरियां मेहरां

सन्त साधुराम

सत्तां समुंदरां दी श्याही होवे सारी वनस्पति दी कलम बनाई होवे
फेर वी लिख ना मेरे साहेब दी वडयायी होवे

सेवकां ते जद दाताजी हो जाण तेरियां मेहरां (२)
फेर आप ही मुहों कह देवें तूं तेरां तेरां तेरां (२)

जदों मौज विच आ मौजां वरतावें तूं (२)
भरे खजाने दोवें हत्थीं लुटावें तूं (२)
हणेर नहीं तेरे घर विच, है पर थोड़ियाँ देरां (२)
फेर आप ही मुहों कह दिनां ऐ तूं तेरां तेरां तेरां
सेवकां ते जद दाताजी हो जाण तेरियां मेहरां
फेर आप ही मुहों कह देवें तूं तेरां तेरां तेरां

संगत नूं तूं, आपे सद बुलावें जी (२)
आपे तपड़ विछावें ते लंगर छकावें जी (२)
सदा रहण दाताजी, तेरे नाम दियां चढ़ियां लोरां (२)
फेर आप ही मुहों कह दिनां ऐ तूं तेरां तेरां तेरां
सेवकां ते जद दाताजी हो जाण तेरियां मेहरां
फेर आप ही मुहों कह देवें तूं तेरां तेरां तेरां

गुरु अजायब जी ऐह सब रहमत तेरी ऐ (२)
हर थां महिमा गोंदा साधु तेरी ऐ (२)
हर साह दे नाल मैं ते तेरे (२) नाम दी माला फेरां (२)
फेर आप ही मुहों कह दिनां ऐ तूं तेरां तेरां तेरां
सेवकां ते जद दाताजी हो जाण तेरियां मेहरां
फेर आप ही मुहों कह देवें तूं तेरां तेरां तेरां

PDF version 2021